## गुस्ताखी माफ

इक हाइड्रोजन ट्रेन है, अजब-गजब रफ़्तार।
एक ओर ठेले यहां, चलते धक्का मार।
चलते धक्का मार, यहां पर सब-कुछ मिलता।
भारत ऐसा देश, जहां पर हर गुल खिलता।
कह साहिल कविराय, देश है अपना न्यारा।
सब-कुछ सबके लिए, सभी का चले गुजारा।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

# यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 191 | SUNDAY 19-07-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

# पंजाब मंत्री के करीबी सहयोगी पर ईडी की रेड, चुनाव से पहले कार्रवाई से राजनीतिक हलचल तेज

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पठानकोट में पंजाब कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक के करीबी सहयोगी विजय कटारूचक के घर पर तलाशी ली। यह कार्रवाई 2023 में खनिजों से भरपूर लगभग 90 एकड़ जमीन के कथित ट्रांसफर से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच का हिस्सा थी। जिस घर की तलाशी ली गई, वह कटारूचक गांव में मंत्री के घर के ठीक बगल में है। कांग्रेस छोड़ आप में शामिल हुए विजय कटारूचक पर आरोप है कि जमीन का यह सौदा राजनीतिक प्रभाव के जरिए किया गया हो सकता है। हालांकि ईडी ने मंत्री को आरोपी नहीं बनाया है, लेकिन उनके सबसे करीबी सहयोगियों में से एक के घर पर रेड से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है।

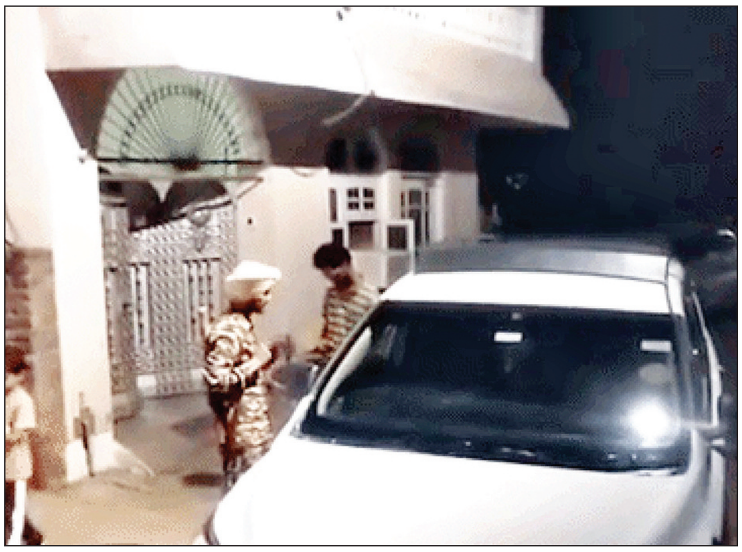

### चुनाव प्रचार से पहले रेड शुरू

इस कार्रवाई का समय अहम है, क्योंकि यह ऐसे समय में हुई है जब पंजाब की राजनीतिक पार्टियां अगले विधानसभा चुनाव से पहले अपने प्रचार अभियान को तेज कर रही हैं। विपक्ष, खासकर इखढ, इस घटनाक्रम का इस्तेमाल आप के भ्रष्टाचार-मुक्त सरकार देने के दावे पर सवाल उठाने के लिए कर सकता है। यह रेड पंजाब में आप नेताओं से जुड़े विवादों की कड़ी में एक और घटना है, जिससे विरोधियों को यह तर्क देने का मौका मिल गया है कि पार्टी के साफ-सुथरे शासन के वादे की जांच-पड़ताल बढ़ रही है।

### आप ने ईडी की कार्रवाई को बताया राजनीतिक

साथ ही, आप का यही कहना है कि ईडी की कार्रवाई राजनीतिक रूप से प्रेरित है और वह भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर विपक्षी पार्टियों को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाती रही है। पार्टी ने बार-बार तर्क दिया है कि राजनीतिक विरोधियों को कमजोर करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है, और इस मामले में भी वह यही रुख अपना सकती है, साथ ही यह भी कहेगी कि रेड से अपराध साबित नहीं होता।

### 90 एकड़ जमीन के ट्रांसफर से जुड़ा मामला

कथित अनियमितताएं पठानकोट ज़िले में खनिजों से भरपूर लगभग 90 एकड़ जमीन के ट्रांसफर से जुड़ी हैं; यह इलाका माइनिंग और पत्थर तोड़ने (स्टोन-क्रशिंग) जैसी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए अहम है। खबरों के मुताबिक, ईडी यह जांच कर रही है कि क्या इस सौदे में अपराध से मिली रकम शामिल थी या आधिकारिक प्रभाव का गलत इस्तेमाल किया गया था। तलाशी के बाद, स्थानीय माइनिंग सेक्टर में बेचैनी की खबरें आईं और कुछ पत्थर तोड़ने वाली यूनिट्स के मालिकों ने कथित तौर पर अपना कामकाज रोक दिया।

### मान सरकार के लिए बन सकती है राजनीतिक चुनौती

भगवंत मान सरकार के लिए यह घटनाक्रम एक और राजनीतिक चुनौती पेश करता है। 2022 में सत्ता संभालने के बाद से, आप ने पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख़्त रुख का वादा करके खुद को पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों के विकल्प के तौर पर पेश किया है। इसलिए, मंत्रियों से करीबी तौर पर जुड़े लोगों से जुड़ी कोई भी जांच कानूनी नतीजे से परे एक राजनीतिक मुद्दा बन सकती है।

### पंजाब की राजनीतिक चर्चा के केंद्र बना मामला

कानूनी तौर पर, जांच अभी शुरूआती चरण में है और जांच पूरी होने तक कोई नतीजा नहीं निकाला जा सकता। हालांकि, राजनीतिक रूप से, इस रेड ने भ्रष्टाचार के आरोपों को एक बार फिर पंजाब की राजनीतिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। चाहे जांच का नतीजा औपचारिक आरोपों के रूप में निकले या नहीं, इस घटना से विपक्ष को नया मुद्दा मिलने की संभावना है, साथ ही सत्ताधारी आप को अपने सबसे मजबूत राजनीतिक दावों में से एक कि वह साफ-सुथरी और जवाबदेह सरकार चलाती है, का बचाव करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

# EOI के नाम पर लैंड बैंकिंग का खेल? वर्षों से घर का इंतजार कर रहे खरीदारों ने उठाए सिस्टम पर गंभीर सवाल

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। क्या रियल एस्टेट परियोजनाओं में अपनाई गई एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (EOI) व्यवस्था का इस्तेमाल वास्तव में विकास के लिए हुआ या इसके जरिए जमीनों का विशाल भंडार खड़ा किया गया? यह सवाल अब उन होमबायर्स के बीच गहराता जा रहा है, जिन्होंने अपनी जीवनभर की कमाई निवेश की, लेकिन वर्षों बाद भी उन्हें घर नहीं मिला। खरीदारों का कहना है कि पूरे मामले की जांच केवल कागजी औपचारिकता तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह पता लगाया जाना जरूरी है कि एडकजारी होने से लेकर जमीन जुटाने, प्रोजेक्ट मंजूरी, लेआउट स्वीकृति और निर्माण की प्रगति

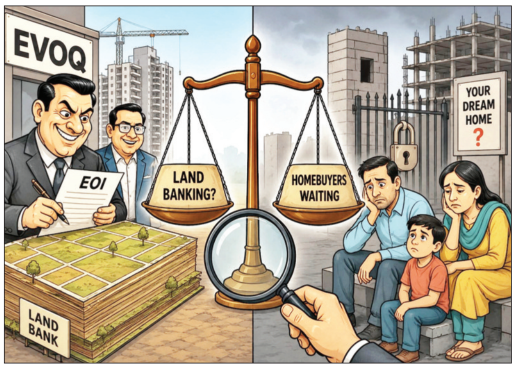


तक किन अधिकारियों और संस्थाओं की क्या भूमिका रही। उन्होंने GMADA, मुख्य नगर योजनाकार (CTP) और संबंधित विभागों के रिकॉर्ड, मंजूरियों और समयसीमा की स्वतंत्र जांच की मांग की है। होमबायर्स ने सवाल उठाया है कि जब परियोजनाएं निर्धारित समय में आगे नहीं बढ़ीं, तब संबंधित विभागों ने क्या कार्रवाई की? क्या देरी, शर्तों के उल्लंघन या भूमि के उपयोग में बदलाव पर कोई जवाबदेही तय की गई? खरीदारों का कहना है कि वे पूर्वाग्रहपूर्ण निष्कर्ष नहीं, बल्कि दस्तावेजों और तथ्यों पर आधारित निष्पक्ष जांच चाहते हैं। यदि नियामकीय चूक, मिलीभगत या अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित पक्षों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। पारदर्शिता के बिना न जवाबदेही तय होगी और न ही जनता का भरोसा लौटेगा।

### EVOQ प्लॉट को लेकर डॉ. बंसल ने उठाए गंभीर सवाल

पीड़ित डॉ. मगन बंसल ने एश्डद परियोजना को लेकर आरोप लगाया है कि प्लॉट से संबंधित जमीन के स्वामित्व, परियोजना की मंजूरियों और लॉन्च की स्थिति पर स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। उनका कहना है कि कंपनी और स्टाफ की ओर से अलग-अलग दावे सामने आने के बाद निवेशकों तथा प्रॉपर्टी डीलरों में भ्रम और रोष बढ़ा है। डॉ. मगन बंसल ने मामले की स्वतंत्र जांच, सभी संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक करने और कथित अनियमितताओं के लिए जिम्मेदारी तय करने की मांग की है। उन्होंने पंजाब सरकार, मुख्यमंत्री, पुलिस, CBI और ED से निष्पक्ष कार्रवाई की अपील की है।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

# सेंट्रा ग्रीन सोसायटी चुनाव विवाद टला, आज होंगे इलेक्शन, रेजिडेंट ने कोर्ट में दायर की थी याचिका

लुधियाना/यूटर्न/18 जुलाई। पक्खोवाल रोड स्थित सेंट्रा ग्रीन्स रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के चुनावों में 11 सदस्य बिना विरोध के जीतने और पदों की गिनती घटाने का विवाद लगातार तूल पकड़ता जा रहा था। शनिवार को इस विवाद पर विराम लग गया है। दरअसल, रेजिडेंट शिवनेत्र वर्मा द्वारा गलत तरीके से 11 सदस्यों को चयनित करने के आरोप लगाए थे। लेकिन उन्हें कोर्ट से राहत नहीं मिल सकी। जिसके चलते अब रविवार 19 जुलाई को सिर्फ मेंटेनेंस सेक्रेटरी के पद के ही चुनाव होंगे। पॉश सोसायटी होने के चलते यह मामला शहर में चर्चा का विषय बना हुआ था। हालांकि मेंटेनेंस सेक्रेटरी के पद पर शिवनेत्र वर्मा और संजीव गुप्ता आमने-सामने हैं। देखना होगा कि दोनों में से किस व्यक्ति द्वारा बाजी मारी जाती है।

*जबरन प्रस्ताव पास करने के लगाए थे आरोप...दरअसल शिवनेत्र वर्मा द्वारा कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। जिसमें आरोप लगाए थे कि 3 मई को जनरल बॉडी मीटिंग में कमेटी के 21 पदों को घटाकर 12 करने का प्रस्ताव रखा गया। जिसमें 500 सक्रिय मतदाताओं में से केवल 63 लोगों की सहमति से पारित कर दिया गया, जबकि 13 सदस्यों ने इसका विरोध किया था। यह प्रक्रिया सोसायटी के 2/3 बहुमत वाले नियम का सीधा उल्लंघन है। इसके बाद सोसायटी द्वारा 11 सदस्यों को उनके पदों के साथ निर्विरोध निर्वाचित बताया गया, जबकि चुनाव 19 जुलाई को होना निर्धारित है। उन्होंने आरोप लगाया कि नियम मुताबिक चुनाव बैलेट पेपर से होने थे। लेकिन चुनाव प्रभारी सरबजीत सिंह ने कथित तौर पर ऑनलाइन वोटिंग की घोषणा कर दी। उन्होंने 12 उम्मीदवारों की सूची को अवैध घोषित करने और सभी पदों पर दोबारा चुनाव कराने, नए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति और बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने मौजूदा प्रधान सुरिंदर कुमार प्रभाकर, चुनाव प्रभारी सरबजीत सिंह ढिल्लों समेत 13 लोगों को प्रतिवादी बनाया था।*

## सोसायटी द्वारा नहीं दिया जा रहा हिसाब

वहीं शिवनेत्र वर्मा का आरोप है कि मौजूदा सोसायटी द्वारा 2025 में क्रिकेट प्रीमियम लीग आयोजित किया गया था। जिसमें काफी फंड आया था। लेकिन उसका पूरा इस्तेमाल नहीं हुआ। जिसके चलते भारी मात्रा में फंड सोसायटी के पास पड़ा है। लेकिन मौजूदा मेंबर्स द्वारा जानबूझकर इसका हिसाब नहीं दिया जा रहा। इसी से बचने के लिए उनकी तरफ से जानबूझकर 11 सदस्य अपने वाले दोबारा कमेटी में बैठाए गए हैं, ताकि उनके भेद न खुलें।

# पंचकूला ऑटोमोबाइल्स ने पेश की ऑल-न्यू टाटा सिएरा.ईवी 4WD

पंचकूला/यूटर्न/18 जुलाई। पंचकूला ऑटोमोबाइल्स ने इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 स्थित शोरूम में ऑल-न्यू टाटा सिएरा.ईवी 4WD डुअल-मोटर का भव्य अनावरण किया। एसबीआई आरबीओ पंचकूला के क्षेत्रीय प्रबंधक रोहित शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में वाहन से पर्दा उठाया। कार्यक्रम में ग्राहकों, ऑटोमोबाइल प्रेमियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

जनरल मैनेजर नवीन थपलियाल ने कहा कि नई सिएरा.ईवी प्रतिष्ठित एसयूवी की विरासत को आधुनिक इलेक्ट्रिक तकनीक के साथ आगे बढ़ाती है। यह टाटा मोटर्स के Acti.ev+ प्लेटफॉर्म पर आधारित है और प्रदर्शन, सुरक्षा, तकनीक तथा आराम का बेहतर संयोजन प्रस्तुत करती है।

सिएरा.ईवी 63 kWh और 75 kWh बैटरी विकल्पों में उपलब्ध है। इसका डुअल-मोटर वेरिएंट 306 पीएस शक्ति और 504 एनएम टॉर्क देता है तथा 5.8 सेकंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकता है। कंपनी के अनुसार इसकी प्रमाणित रेंज 665 किलोमीटर तक है।

एसयूवी में लेवल-2+ ADAS, 540 डिग्री कैमरा, ट्रिपल-स्क्रीन सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ, 12-स्पीकर जेबीएल ऑडियो, छह टेरेन मोड, V2L और V2V चार्जिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। कंपनी ने इसे ट्राईसिटी में टिकाऊ और प्रीमियम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

# कपड़ा व्यापारी की दुकान पर फायरिंग, कॉल कर मांगी थी 50 लाख की रंगदारी

पंजाब/यूटर्न/18 जुलाई। तरनतारन के अधीन आते खडूर साहिब विधानसभा क्षेत्र के कस्बा फतेहाबाद में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। यहां 50 लाख रुपये की मोटी फिरौती (रंगदारी) न मिलने के कारण बेखौफ अज्ञात हमलावरों ने एक प्रसिद्ध कपड़ा व्यापारी की दुकान को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध फायरिंग कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर बड़ी आसानी से मौके से फरार हो गए। इस दुस्साहसिक घटना से स्थानीय व्यापारियों और आम जनता में भारी दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, फतेहाबाद के जाने-माने

कपड़ा व्यापारी महेंद्र सिंह के बेटे नवदीप सिंह को कुछ दिन पहले अज्ञात गैंगस्टरों/अपराधियों द्वारा फोन कर 50 लाख रुपये की फिरौती देने की धमकी दी गई थी। मांग पूरी न होने पर शुक्रवार शाम को दो मोटरसाइकिल सवार अज्ञात नकाबपोश युवक दुकान के बाहर पहुंचे और ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं।

## कर्मचारियों ने छिपकर बचाई जान

*राहत की बात यह रही कि इस खूनी हमले में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। फायरिंग के समय दुकान के मालिक नवदीप सिंह वहां मौजूद नहीं थे। हालांकि, दुकान के भीतर मौजूद कर्मचारियों पर गोलियां चलने से अफरा-तफरी मच गई, जिन्होंने काउंटर के पीछे छिपकर बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाई। गोलियों की आवाज से पूरा बाजार दहल उठा।*

# क्या सरकार को वांगचुक की सेहत से ज्यादा, वांगचुक से डर लगता है ?

छह महीने तक सोनम वांगचुक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बने रहे। शनिवार को अचानक वे मेडिकल इमरजेंसी का मामला बन गए। यह एक बड़ा बदलाव है। अब वांगचुक की सेहत की इतनी फिक्र हो गई। जिस सरकार को कभी उन्हें 'नेशनल सिक्योरिटी एक्ट' के तहत बंद करने की ठोस वजह मिली थी, वही सरकार अब यह पक्का करने में लगी है कि उनकी सेहत में जरा भी उतार-चढ़ाव सरकारी निगरानी के बिना न हो। एम्बुलेंस, डॉक्टर, पुलिस और सरकारी मशीनरी हरकत में आ गई। जाहिर है, असहमति जताना खतरनाक है। लेकिन सिर्फ तब तक, जब तक कि असहमति जताने वाला व्यक्ति खतरनाक रूप से कमजोर न दिखने लगे।

संदीप शर्मा, सम्पादक

कोई भी सरकार नहीं चाहती कि कोई नागरिक भूख हड़ताल में अपनी जान गंवाए। यह कानूनी और नैतिक, दोनों तरह की ज़िम्मेदारी है। वांगचुक को मेडिकल देखभाल मिलनी ही चाहिए थी। इस पर कोई बहस नहीं हो सकती। लेकिन सरकारें राजनीति में शायद ही कभी किसी एक वजह से कोई कदम उठाती हैं।

अगर सिर्फ वांगचुक की सेहत ही चिंता की वजह होती, तो सवाल उठता है कि उनकी मांगों को उनकी पल्स रेट (नाड़ी की गति) जितनी अहमियत क्यों नहीं मिली? उनके शरीर के इतने कमजोर होने से पहले कि उसे नजरअंदाज न किया जा सके, हफ़्तों तक उनकी बातों को कमजोर पड़ने दिया गया। इस विडंबना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जिस सरकार ने कभी तर्क दिया था कि वे कानून-व्यवस्था के लिए खतरा हैं, वही सरकार अब उनकी सेहत को लेकर बहुत फिक्रमंद दिख रही है। पता चला कि जेल में बंद वांगचुक को संभालना आसान था। भूख हड़ताल कर रहे वांगचुक परेशानी का सबब बन रहे थे। और राजनीतिक नजरिए से देखें तो, वांगचुक की मौत एक बड़ी मुसीबत साबित होती। लोकतंत्रों में एक अजीब आदत होती है, हमदर्दी तब दिखाना जब विरोध प्रदर्शनों पर ऐसी नजर पड़ने लगे जो सरकार के लिए असहज हो। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का मतलब होता यह मानना कि चीजें गलत हुई हैं। फिलहाल ऐसा नहीं हो रहा है। भूख हड़ताल करने वाले एक्टिविस्ट, जिन्हें पहले दिन ही खारिज कर दिया गया था, बीसवें दिन तक राष्ट्रीय चिंता का विषय बन जाते हैं। ऐसा लगता है जैसे सरकारों के पास कोई अंदरूनी मेडिकल डिवाइस हो जो ऑक्सीजन लेवल के हिसाब से नहीं, बल्कि हेडलाइंस के हिसाब से काम करता हो।

वांगचुक को अस्पताल भेजकर सरकार ने शायद उनकी जान बचा ली। साथ ही, उसने खुद को उस एक तस्वीर से भी बचा लिया जिसे कोई भी प्रशासन नहीं चाहता: एक शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी की मौत और सरकार का उसे बस देखते रहना।

यहीं पर विरोधाभास है। सरकारें अक्सर मानती हैं कि वे किसी व्यक्ति को जेल में डाल सकती हैं, विरोध प्रदर्शन को रोक सकती हैं या किसी मांग को नजरअंदाज कर सकती हैं। लेकिन वे उस स्थिति को नियंत्रित नहीं कर सकतीं जब वह व्यक्ति नैतिक अधिकार हासिल कर लेता है। इतिहास उन सरकारों के प्रति कठोर रहा है जो शारीरिक हिरासत को राजनीतिक नियंत्रण समझ लेती हैं। जेल की कोठरी शरीर को तो कैद कर सकती है, लेकिन वह हमेशा किसी विचार को कैद नहीं कर सकती। और न ही अस्पताल का कोई वार्ड ऐसा कर सकता है। शायद इसीलिए सरकार ने इतनी तेजी से कदम उठाए। वह एक मरीज का इलाज कर रही थी। लेकिन साथ ही, वह एक प्रतीक के जन्म को भी रोकना चाहती थी। आखिरकार, जीवित आलोचक ही मुश्किल सवाल पूछते हैं। शहादत तो हमेशा-हमेशा के लिए वे सवाल खड़े कर देती है।

लुधियाना

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

03 रविवार, 19 जुलाई 2026

पेज 06 NEET 2026 में लुधियाना का परचम, BCM के...

# एक्यूपंक्चर के कायल है महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी

● कई जटिल बीमारियों में सहायक हैं एक्युपंचर: डॉक्टर इंद्रजीत

अशोक सहगल

लुधियाना/यूटर्न/18 जुलाई। एक्यूपंचर के लोग पंजाब हरियाणा हिमाचल में ही दीवाने नहीं बल्कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी इस पद्धति के कायल है यह जानकारी देते हुए डॉक्टर को टेस्ट एक्यूपंक्चर अस्पताल के डायरेक्टर डॉक्टर इंद्रजीत सिंह ढींगरा ने बताया कि हाल ही में महाराष्ट्र एक्यूपंक्चर काउंसिल, मुंबई तथा आयुष्मान एक्यूपंक्चर कॉलेज, नागपुर द्वारा आयोजित किए गए दो दिवसीय प्रथम राष्ट्रीय एक्यूपंक्चर सम्मेलन में देशभर से एक्यूपंक्चर विशेषज्ञ, स्वास्थ्य पेशेवर और नीति-निमार्ता शामिल हुए। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के तौर तौर पर शामिल हुए अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि वह स्वयं एक्यूपंचर की सहायता से पेट दर्द और फ्रोजन शोल्डर से ठीक हो चुके हैं उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो वे स्वयं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर महाराष्ट्र मॉडल के आधार पर एक्यूपंक्चर को स्वतंत्र चिकित्सा पद्धति का दर्जा दिलाने का प्रयास करेंगे। डॉ. कोटनिस एक्यूपंक्चर हॉस्पिटल एंड मेडिकल कॉलेज के निदेशक तथा वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एक्यूपंक्चर-मोक्सीबस्टन सोसाइटीज के कार्यकारी सदस्य डॉ. इंदरजीत सिंह सम्मेलन के प्रमुख वक्ताओं में शामिल रहे। पांच दशको के अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में युवाओं में बढ़ती नशे की समस्या गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि एक्यूपंक्चर नशा छोड़ने और लोगों के स्वास्थ्य में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। सम्मेलन में रजिस्ट्रार नारायण नवले, सुमंत घाइफास (हेड मुख्यालय प्रभारी, भाजपा महाराष्ट्र), डॉ. रमन कपूर, अनीश गुप्ता, डॉ. मृगेन्द्र गंतायत, डॉ. भास्कर, डॉ. डी. बख्शी, डॉ. निलेश पटेल, डॉ. संदीप चोपड़ा, डॉ. सी. परदेसी, मयंक शाह, डॉ. नीलिमा ठक्कर, डॉ. रामाकांत और डॉ. त्रिदीप गुहा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# भाजपा ने 16 जिलों में नियुक्त किए प्रधान, लुधियाना की कमान सुनील मौदगिल के हाथ

## नवनियुक्ति प्रधान मौदगिल के लिए आसान नहीं होगी प्रधानगी की राह

लुधियाना/यूटर्न/18 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी की और से शनिवार को संगठनात्मक स्तर पर बड़ा कदम उठाते हुए लुधियाना समेत 16 जिलों के प्रधान नियुक्त किए गए हैं। लंबे समय से लुधियाना में जिला प्रधान बनने की अटकलों चल रही थी। लेकिन नई नियुक्तियां होने पर सभी चचाएं बंद हो गई हैं। यह नियुक्तियां भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और पंजाब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों की सहमति के बाद की गई हैं। जिसमें लुधियाना शहरी भाजपा की कमान सुनील मौदगिल के हाथ में सौंपी गई है। सुनील मौदगिल द्वारा लंबे समय से पार्टी में सेवा की जा रही हैं। जानकारी के अनुसार एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब दौरे पर आए थे। लेकिन उसके बाद अचानक बड़े लेवल पर बदलाव कर दिया गया। राजनीतिक माहिरों द्वारा इन नियुक्तियों को प्रधानमंत्री के दौरे के साथ भी जोड़कर देखा जा रहा है।

### आसान नहीं होगी मौदगिल के लिए प्रधानगी की राह

वहीं बात करें लुधियाना की तो सभी को पहले लग रहा था कि रजनीश धीमान ही विधानसभा चुनाव 2027 तक प्रधान रहेगें। लेकिन एकदम से आए इन आदेशों के बाद पार्टी में हलचल पैदा हो गई है। अब यह देखना होगा कि पूर्व प्रधान रजनीश धीमान गुट द्वारा नए प्रधान को स्पोर्ट किया जाता है या नहीं। वैसे भी जल्द चुनाव है। ऐसे में भाजपा में लगभग 1200 के करीब बूथों पर अभी तक 100 फीसदी बूथ के प्रधान की नियुक्ति नहीं हो पाई थी। अब नए प्रधान की नई टीम, सर्कल प्रधान, महिला व युवा मोर्चा समेत सभी टीमें गठित की जानी है। लेकिन दूसरी तरफ चुनाव सिर पर है। अब देखना होगा कि मौदगिल कैसे इसे मैनेंज करते हैं।

### कई नए चेहरों को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

वहीं एक तरफ पार्टी द्वारा नए जिला प्रधान नियुक्त कर दिए हैं। लेकिन अभी उप प्रधान, सेक्रेटरी समेत अन्य कई पद पर नियुक्तियां होनी बाकी है। ऐसे में चचाएं हैं कि कई नए चेहरों को पार्टी द्वारा आगे आने का मौका दिया जा सकता है। जिसके चलते कई नए चेहरों को नियुक्त कर पार्टी को मजबूत करने का काम किया जाएगा।

### दूसरे जिलों में हुई यह नियुक्तियां

भाजपा द्वारा अमृतसर रूरल 2 (मजीठा) में कंवरबीर सिंह मंजिल, अमृतसर अर्बन में सलिल कपूर, बरनाला में नरिंदर गर्ग नीता, फरीदकोट में गौरव कक्कड़, फाजिल्का में सुखविंदर सिंह काका कंबोज, होशियारपुर रूरल क्षेत्र में योगेश सपरा, अर्बन क्षेत्र में सतीश ठाकुर बावा, जालंधर अर्बन में अशोक सरीन हिक्की, जालंधर रूरल नॉर्थ में मनमीत सिंह विक्की, जालंधर रूरल साउथ में जगबीर सिंह बराड़, कपूरथला में चेतन सूरी, मुक्तसर में सतीश असीजा, रोपड़ में अजयवीर सिंह लालपुरा, संगरूर-1 में मतिंदर सिंह और तरनतारन जिले में सतनाम सिंह भुल्लर को नया जिला अध्यक्ष बनाया गया है।

# चार वर्षीय बच्चे को अगवा करने के मामले में नया मोड, पिता ने सामने आकर कहा - मैंने बेटे को नहीं अगवा किया, ससुरालियों ने खुद भेजा था

लुधियाना/यूटर्न/18 जुलाई। सुंदर नगर में मार्शल आर्ट क्लास से चार वर्षीय बच्चे सुवास के अगवा होने के मामले में नया मोड़ आ गया है। सुवास की मां मोनालिका द्वारा अपने ट्रांसपोर्टर पति करण बावा पर दोस्तों संग मिलकर बेटे को अगवा करने के आरोप लगाए गए थे। लेकिन अब इस मामले में करण बावा द्वारा एक वीडियो वायरल कर अपना पक्ष रखा गया है। जिसमें उन्होंने कहा कि उन पर लगाए जा रहे सभी आरोप गलत है। इसी के साथ साथ उन्होंने मोनालिका और थाना दरेसी के एसएचओ को लीगल नोटिस भी भेजा है। अपने पक्ष में करण बावा ने कहा कि बेटा उन्हीं के पास है। वे इस मामले में बोलना नहीं चाहते थे, लेकिन उनके खिलाफ लगातार सोशल मीडिया पर गलत अफवाहें फैलाई जा रही थी। करण बावा ने कहा कि मेरी पत्नी मोनालिका की फैमिली ने खुद मुझे बताया था कि सुवास कहा पर क्लास जाता है और कब जाता है। उनके कहने के बाद ही मैं बेटे को क्लास से लेने गया था। एक तरफ मुझे कह दिया कि बच्चे को ले जाओ, दूसरी तरफ मेरे पर किडनैपिंग के आरोप लगा दिए। अगर मैं किडनैप करता तो मुंह बांधकर जाता न कि सरेआम और अपनी कार लेकर जाता। करण बावा ने पुलिस व प्रशासन से अपील की कि एक साइड को न देखकर दोनों पक्ष को सुनकर ही फैसला लिया जाए।

मामले की जानकारी देते हुए करण बावा

### मेरी पत्नी सही, लेकिन मायके वालों ने खराब किया

करण बावा का आरोप है कि उनकी पत्नी मोनालिका एकदम सही इंसान है। लेकिन मायके वालों द्वारा उसके कान भरकर मेरे खिलाफ किया जा रहा है। मोनालिका और उनकी पत्नी ने खुद मुझे बच्चे की कस्टडी दी थी। जिसके मेरे पास हर तरह का प्रूफ पड़ा है। सुवास आगे भी मेरे पास आता जाता रहता है। करण बावा अनुसार कोर्ट में केस तलाक का चल रहा है। उन्होंने कोर्ट व पुलिस ने बेटे को मिलने से बिल्कुल नहीं रोका। यह झूठी बातें बनाई जा रही है। मेरे पास मेरी पत्नी खिलाफ भी प्रूफ पड़े हैं।

Uturn Time 19 July 2026_Layout 2 18-07-2026 23:01 Page 4



# एसआईआर लोकतंत्र को मजबूत बनाने की महत्वपूर्ण प्रक्रियाः डीसी

पंचकूला/यूटर्न/18 जुलाई। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सतपाल शर्मा ने जिले के मतदाताओं से अपील की है कि वे 24 जुलाई से पहले सत्यापन फॉर्म भरकर संबंधित बीएलओ को सौंप दें, ताकि त्रुटिरहित मतदाता सूची निर्धारित समय में तैयार की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि सत्यापन फॉर्म जमा नहीं कराने वाले मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हट सकता है। जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार जिले में मतदाता सत्यापन और डिजिटलीकरण का करीब 76 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेष मतदाताओं से जल्द फॉर्म जमा कराने का अनुरोध किया

गया है। उन्होंने ईआरओ, एईआरओ, सुपरवाइजर और बीएलओ को सत्यापन फॉर्म भरवाने तथा एकत्रित करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि जो पात्र नागरिक अभी तक अपना वोट नहीं बनवा पाए हैं, वे 31 जुलाई से 30 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं। एक जुलाई 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवक-युवतियां भी इस अवधि में मतदाता पहचान पत्र के लिए आवेदन करें। डीसी ने मतदाताओं को साइबर ठगी से सावधान रहने की सलाह देते हुए कहा कि निर्वाचन विभाग किसी से ओटीपी या संदिग्ध लिंक साझा करने को नहीं कहता। अधिकृत बीएलओ स्वयं मतदाताओं से व्यक्तिगत संपर्क करेंगे।

# कुडनकुलम न्यूक्लियर प्लांट प्रोजेक्ट की फाइलें डेटा ब्रीच का शिकार हुई

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। एक संदिग्ध साइबर हमले में भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट, कुडनकुलम से जुड़ी हजारों फाइलें लीक हो गई हैं, जिससे देश के अहम इंफ्रास्ट्रक्चर की साइबर सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। कहा जा रहा है कि यह डेटा 'वर्ल्ड लीक्स' नाम के रैंसमवेयर ग्रुप ने डार्क वेब पर पब्लिश किया था। इस ग्रुप का दावा है कि उसने प्रोजेक्ट से जुड़े संवेदनशील डॉक्यूमेंट्स हासिल कर लिए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लगभग 19,000 फाइलें जिनका साइज 14 जीबी से ज्यादा है, लीक हुई हैं। इन डॉक्यूमेंट्स में तमिलनाडु में कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट की यूनिट 3 और 4 के निर्माण से जुड़े इंजीनियरिंग ब्लूप्रिंट, इंस्पेक्शन रिपोर्ट, सप्लायर की जानकारी और इंश्योरेंस रिकॉर्ड शामिल बताए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि ये फाइलें प्लांट के ऑपरेशनल न्यूक्लियर सिस्टम से नहीं, बल्कि प्रोजेक्ट से जुड़े एक कॉन्ट्रैक्टर के सिस्टम से जुड़ी हैं।

## लंबे समय के लिए सुरक्षा जोखिम हो सकते हैं पैदा

हालांकि, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि भले ही रिएक्टर के ऑपरेशन पर कोई असर न पड़ा हो, लेकिन इंजीनियरिंग ड्रॉइंग, वेंडर की जानकारी और इंफ्रास्ट्रक्चर की डिटेल्स के लीक होने से लंबे समय के लिए सुरक्षा जोखिम पैदा हो सकते हैं। इससे ऐसी कमजोरियां उजागर हो सकती हैं जिनका फायदा दुश्मन ताकतें उठा सकती हैं। इस घटना ने एक बार फिर रणनीतिक इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने वाले रैंसमवेयर ग्रुप्स से बढ़ते खतरे को उजागर किया है।

## साइबर सुरक्षा घटना हुई

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर (जिसकी एक सब्सिडियरी कंपनी इस प्रोजेक्ट में शामिल है) ने माना कि एक साइबर सुरक्षा घटना हुई थी जिससे एक थर्ड-पार्टी सर्वर प्रभावित हुआ। हालांकि, दोनों ने कहा कि प्लांट के अहम ऑपरेशनल और रिएक्टर कंट्रोल सिस्टम बाहरी नेटवर्क से पूरी तरह अलग हैं और उनसे कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। केंद्र सरकार ने भी चिंताओं को दूर करने की कोशिश की। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि कोई भी संवेदनशील या सुरक्षा से जुड़ा न्यूक्लियर डेटा लीक नहीं हुआ है और रिएक्टर के कोर सिस्टम में सेंध लगने की खबरें गलत हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत का न्यूक्लियर सुरक्षा ढांचा पूरी तरह सुरक्षित है।

## 2019 के साइबर हमले की यादें हुई ताजा

इस सेंधमारी से कुडनकुलम प्लांट पर 2019 में हुए साइबर हमले की यादें भी ताजा हो गई हैं, जब प्लांट के एडमिनिस्ट्रेटिव नेटवर्क पर मैलवेयर का पता चला था। हालांकि अधिकारियों ने तब स्पष्ट किया था कि ऑपरेशनल सिस्टम हमले से सुरक्षित थे, लेकिन ताजा घटना भारत के अहम इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से जटिल होते साइबर खतरों से बचाने की लगातार बनी हुई चुनौती को रेखांकित करती है।

# पंजाब में युवाओं को नशे से बाहर लाने के लिए राज्यव्यापी अभियान शुरू

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शनिवार को पंजाब में युवाओं के सुधार और पुनर्वास के उद्देश्य से राज्यव्यापी अभियान का शुभारंभ किया। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों की मौजूदगी में शुरू किया गया यह अभियान 18 जुलाई से 31 अक्टूबर 2026

तक सभी जिला कानूनी सेवा प्राधिकरणों (डीएलएसए) के माध्यम से मिशन मोड में चलाया जाएगा। पंजाब राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के अनुसार अभियान का उद्देश्य नशे की चपेट में आए युवाओं को उपचार, परामर्श और पुनर्वास की सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाना है।

इसके तहत नशे से प्रभावित व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक सहायता प्रदान की जाएगी और उनकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

# सरकारी स्कूलों में टेक्नोलॉजी का तड़का, AI और FinTech से जुड़ेगा हरियाणा

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। हरियाणा सरकार सरकारी स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा को नई दिशा देने जा रही है। विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने के लिए सरकार जल्द ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी (FinTech) जैसे आधुनिक विषय शुरू करेगी। साथ ही व्यावसायिक शिक्षा का दायरा भी दोगुना किया जाएगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने समग्र शिक्षा योजना की समीक्षा बैठक में सभी जिलों में 100 प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने और विद्यार्थियों के लर्निंग आउटकम में सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आधुनिक कौशल उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव विजय सिंह दहिया ने बताया कि पहले चरण में 306 अतिरिक्त सरकारी स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा शुरू की जाएगी। इससे वर्ष 2026-27 में माध्यमिक स्तर पर इसकी पहुंच 31 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगी। सरकार का लक्ष्य भविष्य में सभी सरकारी माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों तक इस योजना का विस्तार करना है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 15 व्यावसायिक विषय पढ़ाए जा रहे हैं। अब AI और FinTech जैसे नए कोर्स भी शुरू किए जाएंगे, ताकि विद्यार्थियों को नई तकनीकों की जानकारी मिल सके और वे रोजगार के बेहतर अवसरों के लिए तैयार हों। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के लगभग 99 प्रतिशत सरकारी स्कूल स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब और इंटरनेट जैसी डिजिटल सुविधाओं से लैस हैं। वहीं यू-डाइस 2025-26 के अनुसार माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर हरियाणा का नामांकन अनुपात राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। सरकार स्कूल छोड़ चुके विद्यार्थियों को दोबारा शिक्षा से जोड़ने, बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने तथा प्रत्येक जिले में एक मॉडल व्यावसायिक विद्यालय विकसित करने की दिशा में भी काम कर रही है।

# नगर निगम फगवाड़ा ने शहर के वार्ड नंबर 21 में डेंगू से बचाव के लिए करवाई फॉगिंग

शिव कौड़ा

फगवाड़ा/यूटर्न/18 जुलाई। नगर निगम फगवाड़ा की सैनिटेशन शाखा द्वारा निगम आयुक्त रणदीप सिंह हीर के दिशा-निर्देशों के अनुसार शहर के वार्ड नंबर 21 के अंतर्गत प्रेम नगर, रेलवे रोड, खेड़ा रोड, गुरु नानक पुरा तथा मास्टर साधु राम नगर में बरसात के मौसम के दौरान डेंगू मच्छर से बचाव के लिए फॉगिंग करवाई गई। इस दौरान नगर परिषद फगवाड़ा के पूर्व अध्यक्ष मलकीयत सिंह रगबोत्रा ने इस पहल के लिए नगर निगम फगवाड़ा का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केवल फॉगिंग से ही डेंगू पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सकता, बल्कि लोगों को इसके प्रति जागरूक करना भी बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि डेंगू मादा एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से होता है। यह मच्छर साफ और रुके हुए पानी में पनपता है। उन्होंने वार्ड वासियों से अपील की कि प्रत्येक शुक्रवार को ड्राई डे के रूप में मनाएं तथा अपने घरों के कूलर, गमले, बेकार पड़े टायर, पक्षियों के पीने के पानी के बर्तन, फ्रिज की बैक ट्रे तथा अन्य स्थानों पर जमा पानी की नियमित सफाई करें।

Uturn Time 19 July 2026_Layout 2 18-07-2026 23:01 Page 5

चंड़ीगढ़

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 हरजीत सिंह ग्रेवाल की नियुक्ति पंजाब भाजपा...

# कांग्रेस के सस्पेंड चार विधायक पीएम मोदी के हरियाणा कार्यक्रम में शामिल हुए, पार्टी बदलने की अटकलें तेज

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। राज्यसभा चुनाव में कथित तौर पर क्रॉस-वोटिंग के लिए पार्टी से सस्पेंड किए गए हरियाणा कांग्रेस के पांच विधायकों में से चार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य दौरे के सिलसिले में आयोजित ज़िला-स्तरीय कार्यक्रमों में शामिल हुए। इससे उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें और तेज हो गई हैं। ये विधायक रेणु बाला (सढौरा), जरनैल सिंह (रतिया), शैली चौधरी (नारायणगढ़) और मोहम्मद इसराइल (हथीन क्रमशः यमुनानगर, फतेहाबाद, अंबाला और पलवल में आयोजित सरकारी कार्यक्रमों में मौजूद थे। सस्पेंड किए गए विधायकों में से केवल पुनहाना के विधायक मोहम्मद इलियास ही दूर रहे; वे नूंह में आयोजित कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए।

## बीजेपी समर्थित उम्मीदवार के पक्ष में डाला था वोट

- इन पांच विधायकों को कांग्रेस ने तब सस्पेंड किया था, जब उन्होंने 16 मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव में कथित तौर पर बीजेपी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार के पक्ष में वोट किया था। इस घटना ने हरियाणा में पार्टी की एकता को बड़ा झटका दिया था। प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी ने इन राजनीतिक अटकलों को और मजबूत कर दिया है कि वे बीजेपी के करीब जा सकते हैं। हालांकि ये कार्यक्रम सरकार द्वारा आयोजित किए गए थे, न कि एक राजनीतिक पार्टी के तौर पर बीजेपी द्वारा, फिर भी सस्पेंड किए गए विधायकों की भागीदारी को उनके और कांग्रेस नेतृत्व के बीच बढ़ती दूरी के एक और संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

## कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने नहीं दी तवज्जो

हालांकि, कांग्रेस के एक वरिष्ठ विधायक ने इस घटनाक्रम को ज्यादा तवज्जो न देते हुए कहा कि आधिकारिक सरकारी कार्यक्रमों में शामिल होने पर कोई कानूनी या राजनीतिक रोक नहीं है। विधायक ने बताया कि दलबदल विरोधी कानून तभी लागू होता जब सस्पेंड किए गए विधायक सरकारी कार्यक्रम के बजाय बीजेपी के पार्टी कार्यक्रम में शामिल होते।

## हरियाणा कांग्रेस में अंदरूनी संकट गहराया

इस घटना से हरियाणा में कांग्रेस का अंदरूनी संकट और गहराने की संभावना है, क्योंकि पार्टी राज्यसभा क्रॉस-वोटिंग विवाद के बाद से ही गुटबाजी से जूझ रही है। बीजेपी के लिए, प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों में सस्पेंड किए गए विधायकों की मौजूदगी को एक प्रतीकात्मक राजनीतिक लाभ के तौर पर देखा जा रहा है, भले ही वह उनके भविष्य के बारे में कोई औपचारिक घोषणा करने से बच रही है।

## आने वाले दिनों में हो सकती बड़ी हलचल

सस्पेंड किए गए विधायकों के कांग्रेस से दूरी बनाए रखने और साथ ही बीजेपी के नेतृत्व वाले सरकारी कार्यक्रमों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के कारण, राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले हफ़्ते यह तय करने में अहम साबित हो सकते हैं कि यह घटनाक्रम केवल प्रतीकात्मक बना रहता है या किसी औपचारिक राजनीतिक बदलाव में बदल जाता है।

# व्हीलचेयर क्रिकेट खिलाड़ियों का जज्बा प्रेरणादायक, समावेशी भारत के निर्माण में खेलों की अहम भूमिका: राज्यपाल कटारिया

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने शनिवार को पंजाब विश्वविद्यालय क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित 6वीं डब्ल्यूसीएफआई व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप-2026 का उद्घाटन करते हुए कहा कि व्हीलचेयर क्रिकेट केवल खेल नहीं, बल्कि साहस, आत्मविश्वास और समान अवसर का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों का जज्बा समाज के लिए प्रेरणा है और यह साबित करता है कि शारीरिक सीमाएं किसी की क्षमता को सीमित नहीं कर सकतीं।

दो दिवसीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप में देशभर से आए दिव्यांग खिलाड़ी और युवा नेतृत्वकर्ता भाग ले रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए समाज में समावेशी सोच विकसित करना जरूरी है। उन्होंने शिक्षा, खेल, रोजगार और सार्वजनिक सुविधाओं में दिव्यांगजनों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

कटारिया ने व्हीलचेयर क्रिकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया, पंजाब विश्वविद्यालय, एपीएसडब्ल्यूडीपी और अन्य सहयोगी संस्थाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने पैरा खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए प्रतिभागियों से खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। 18 और 19 जुलाई तक चलने वाली इस चैंपियनशिप में पंजाब, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ की टीमें खिताब के लिए मुकाबला कर रही हैं। कार्यक्रम में पंजाब विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. रेनू विग सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, खेल प्रेमी, स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

# हिसार में नौकरियों की बहार, मेगा रोजगार मेले में युवाओं को मिला सुनहरा मौका

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। हरियाणा सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में शनिवार को हिसार में मंडल रोजगार कार्यालय और गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में भव्य रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने किया। इस अवसर पर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि रोजगार मेले युवाओं और कंपनियों के बीच मजबूत कड़ी का काम करते हैं। इससे योग्य युवाओं को उनकी शिक्षा और कौशल के अनुसार रोजगार के बेहतर अवसर मिलते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें निजी सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराना है।

उन्होंने युवाओं से मेले का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन उन्हें प्रतिष्ठित कंपनियों से सीधे जुड़ने का अवसर देते हैं। इससे युवाओं को अपने हुनर के अनुसार नौकरी मिलने में आसानी होती है और वे आर्थिक रूप से मजबूत बनते हैं। मंत्री ने कहा कि विकसित भारत और विकसित हरियाणा का सपना तभी साकार होगा, जब प्रदेश का युवा सशक्त और आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि हरियाणा के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल सही अवसर और सही मार्गदर्शन की है।

Uturn Time 19 July 2026_Layout 2 18-07-2026 23:01 Page 6



## Happy Birthday

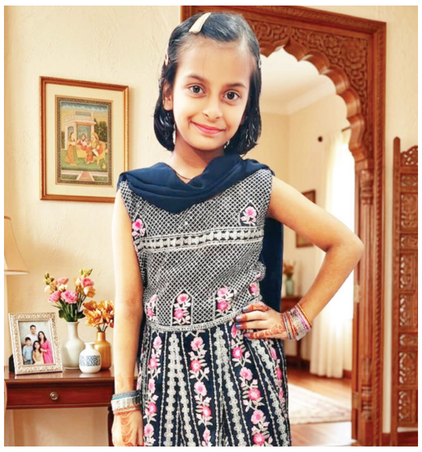

Manya Passi

## रूह से रूबरू

चारू नागपाल

# क्या आने वाले समय में लोग शादी करने से डरने लगेंगे?

आज के समय में विवाह जैसे पवित्र बंधन पर कई तरह की चुनौतियाँ दिखाई दे रही हैं। पहले पति-पत्नी रिश्ते को निभाने के लिए धैर्य, त्याग और समझदारी से काम लेते थे, लेकिन आज छोटी-छोटी बातों पर विवाद बढ़ जाते हैं और बहुत सी शादियाँ जल्दी टूट जाती हैं। इसका मुख्य कारण आपसी संवाद की कमी, बढ़ता अहंकार, विश्वास की कमी और जिम्मेदारियों से बचने की प्रवृत्ति और लड़के या लड़की के चरित्र में खोट है। सोशल मीडिया और आधुनिक जीवनशैली ने भी रिश्तों को प्रभावित किया है। लोग अक्सर दूसरों के जीवन से अपनी तुलना करने लगते हैं, जिससे असंतोष बढ़ता है। कई बार पति-पत्नी एक-दूसरे को समझने के बजाय अपनी बात मनवाने की कोशिश करते हैं। परिणामस्वरूप रिश्ते कमजोर होने लगते हैं और तलाक के मामले बढ़ते हैं। यदि यही स्थिति लंबे समय तक बनी रही, तो संभव है कि आने वाले वर्षों में कई युवा शादी करने से डरने लगें। उन्हें यह भय होगा कि कहीं उनका रिश्ता भी असफल न हो जाए। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि विवाह संस्था समाप्त हो जाएगी। आज भी अनेक दंपति प्रेम, सम्मान, विश्वास और जिम्मेदारी के साथ अपना वैवाहिक जीवन सफलतापूर्वक निभा रहे हैं। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि पति-पत्नी एक-दूसरे को समय दें, खुलकर संवाद करें, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें और हर परिस्थिति में साथ निभाने का प्रयास करें

और सबसे महत्वपूर्ण बात है कि वे अपने चरित्र को ऊँचा रखें शादी के पहले और शादी के बाद के जीवन में बेहद अंतर होता है जिसे लड़का और लड़की को अपने जहन में बैठाकर ही विवाह जैसे बंधन में बंधना चाहिए। मजबूत रिश्ते केवल प्रेम से नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, धैर्य और विश्वास से बनते हैं। तभी विवाह जैसी सुंदर संस्था भविष्य में भी समाज की आधारशिला बनी रहेगी।

## Happy Birthday

Manya Passi

## कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

**WhatsApp Group Admin कब जिम्मेदार होता है?**

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

आज लगभग हर व्यक्ति किसी न किसी WhatsApp Group का हिस्सा है। ऐसे में अक्सर यह सवाल पूछा जाता है कि यदि Group में कोई गलत या आपत्तिजनक Message भेजे, तो क्या उसके लिए Group Admin जिम्मेदार होगा?

इसका उत्तर है—हर मामले में नहीं।

सिर्फ Group Admin होने के कारण किसी व्यक्ति को Group में भेजे गए हर Message के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि, यदि Admin स्वयं कोई गैरकानूनी सामग्री भेजता है, उसे बढ़ावा देता है, या बार-बार गलत सामग्री साझा होने के बावजूद जानबूझकर कोई कार्रवाई नहीं करता, तो मामले की परिस्थितियों के अनुसार उसकी भूमिका की जांच की जा सकती है।

यदि Group में अश्लील सामग्री, नफरत फैलाने वाले संदेश, फर्जी खबरें (Fake News), धोखाधड़ी या किसी अपराध से जुड़ी सामग्री साझा की जा रही है, तो ऐसे Messages को तुरंत हटाना, संबंधित सदस्य को Group से निकालना और आवश्यकता होने पर शिकायत करना उचित कदम है। कई लोग यह मान लेते हैं कि Group Admin बनने का मतलब केवल लोगों को जोड़ना है, जबकि Admin की भी कुछ जिम्मेदारियां होती हैं। इसलिए किसी भी WhatsApp Group का Admin बनने से पहले यह समझना जरूरी है कि Group का सही संचालन भी आपकी जिम्मेदारी है।

निष्कर्ष: WhatsApp Group Admin हर Message के लिए अपने आप जिम्मेदार नहीं होता। लेकिन यदि वह गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा देता है या जानबूझकर नजरअंदाज करता है, तो कानूनी जांच का सामना करना पड़ सकता है।

# NEET 2026 में लुधियाना का परचम, BCM के कार्तिक सलारिया ने AIR 216 से रचा इतिहास

लुधियाना/यूटर्न/18 जुलाई। BCM आर्य मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शास्त्री नगर के विद्यार्थियों ने NEET-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कूल का नाम रोशन किया है। स्कूल के छात्र कार्तिक सलारिया ने 720 में से 684 अंक हासिल कर ऑल इंडिया रैंक (AIR) 216 प्राप्त की है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल स्कूल बल्कि पूरे शहर का गौरव बढ़ाया है। कार्तिक ने केवल NEET ही नहीं, बल्कि अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उन्होंने खएए MAin-2026 में 98.57 परसेंटाइल हासिल की, जबकि CBSE बोर्ड परीक्षा में मेडिकल स्ट्रीम में 97.4 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा, नेशनल स्टैंडर्ड एग्जामिनेशन इन बायोलॉजी

(NSEB) में 42,398 प्रतिभागियों में शीर्ष एक प्रतिशत में स्थान बनाकर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता साबित की। स्कूल के अन्य विद्यार्थियों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। पलप्रीत कौर मक्कड़ ने 596 अंक के साथ AIR 11,397, निशिता शर्मा ने 540 अंक के साथ AIR 45,207, भवजीत सिंह सराहन ने 505 अंक के साथ AIR 83,764 और एंजेला ने 477 अंक के साथ AIR 1,21,735 हासिल की। वहीं अंश जैन, काशवी शुक्ला, सान्वी गर्ग और निकुंज कालरा ने भी क्वालिफाइंग अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की।

स्कूल प्रबंधन अध्यक्ष राकेश जैन, सचिव कैप्टन वी.के. स्याल, निदेशक डॉ. परमजीत कौर और प्राचार्या डॉ. अनुजा कौशल ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।

# ट्रांसपोर्टर को हथियारों के बल पर बनाया बंधक, पैसे लौटाने के बहाने सुनसान जगह पर बुला मांगी फिरौती, मामला दर्ज

लुधियाना/यूटर्न/18 जुलाई। लुधियाना में ट्रांसपोर्टर को करोड़ों रुपए लौटाने का झांसा देकर सुनसान जगह पर बुलाकर हथियारबंद लोगों ने बंधक बना लिया। आरोपियों ने उस पर पहले से दर्ज धोखाधड़ी का मामला वापस लेने और 20 लाख रुपए देने का दबाव बनाया। साथ ही पैसे नहीं देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत की जांच के बाद थाना सराभा नगर पुलिस ने चार नामजद और चार अज्ञात हथियारबंद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता विक्रम शर्मा, निवासी अबोहर ट्रांसपोर्टर हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने 25 अक्तूबर 2025 को अबोहर के सिटी-1 थाने में रोनक सिंह जमवाल, प्रेरणा जमवाल, शिव कृष्ण सहगल और अन्य लोगों के खिलाफ 3.22 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। उस मामले में आरोपी गिरफ्तार हुए थे, लेकिन बाद में जमानत पर रिहा हो गए।

## व्हाट्सएप कॉल कर बुलाया

शिकायतकर्ता के मुताबिक, 12 जून को उन्हें एक व्हाट्सएप नंबर से मिस्ड कॉल आई। अगले दिन दोबारा संपर्क कर रोनक सिंह जमवाल और शिव कृष्ण सहगल ने उन्हें लुधियाना के हम्बड़ा रोड स्थित नहर किनारे मिलने के लिए बुलाया। आरोपियों ने कहा कि वे उनके पैसे लौटाने के संबंध में बातचीत करना चाहते हैं। शिकायत के अनुसार, 17 जून को विक्रम शर्मा अपने चालक चरण दास के साथ टोयोटा इनोवा में तय स्थान पर पहुंचे। वहां पहले से मौजूद आरोपियों ने उनकी कार रोक ली। इसी दौरान हथियारों के बल उन्हें अगवा किया। फिर केस वापिस लेने और 20 लाख रुपए देने की धमकी दी।

Uturn Time 19 July 2026_Layout 2 18-07-2026 23:01 Page 7



# मनरेगा और सफाई कर्मचारियों के समर्थन में सड़कों पर उतरी कांग्रेस, सीएम मान का पुतला फूंक किया विरोध प्रदर्शन

लुधियाना/यूटर्न/18 जुलाई। पंजाब के मनरेगा और सफाई कर्मियों पर किए जा रहे अत्याचार के विरोध में कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतर आई है। शनिवार हलका आत्म नगर में जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग लुधियाना चेयरमैन एडवोकेट राहुल पुहाल और यूथ कांग्रेस लीडर हैप्पी लाली की अगुवाई में रोष प्रदर्शन कर सीएम भगवंत मान का पुतला भी फूंका गया। इस दौरान चेयरमैन एडवोकेट राहुल पुहाल ने कहा कि पिछले दिनों खन्ना जिले में मनरेगा कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर संघर्ष करने पर पुलिस द्वारा सरकार के इशारों पर लाठीचार्ज किया गया। संगरूर में सफाई कर्मचारियों को गिरफ्तार किया। इस तरह की घनटाएं बेहद निंदनीय है। इस दौरान हैप्पी लाली ने कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक और कर्मचारी को अपनी जायज मांगों के लिए शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाने का अधिकार है। पंजाब सरकार को लोगों, मजदूरों और कर्मचारियों की आवाज दबाने के बजाय उनकी जायज मांगों का समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पंजाब के मजदूरों, कर्मचारियों, सफाई कर्मचारियों और दलित समाज के अधिकारों के लिए हमेशा मजबूती से आवाज उठाती रहेगी। इस मौके पर बॉबी मुंडे, चरणजोत किट्ठू, मिंकल बिरला, रुपेश चौटाला, मनप्रीत सिंह, नकुल कल्याण, हरविंदर सिंह, संदीप जवद्दी, विक्की चंडालिया, प्रद्युम ढिल्लों, तुधार, सुमित चौटाला, निताश, जग्गा, गगन सैभी, रिंकल चावरीया व अन्य कांग्रेसी वर्कर मौजूद थे।

# अग्रवाल वेलफेयर बोर्ड हल्का वेस्ट के चेयरमैन बने शिव गर्ग, समर्थकों में खुशी की लहर

लुधियाना/यूटर्न/18 जुलाई। पंजाब सरकार ने महत्वपूर्ण संगठनात्मक नियुक्ति करते हुए हल्का वेस्ट विधानसभा क्षेत्र से जुड़े आम आदमी पार्टी के नेता शिव गर्ग को अग्रवाल वेलफेयर बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति की घोषणा के बाद समर्थकों और अग्रवाल समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। अपनी नियुक्ति पर शिव गर्ग ने आम आदमी पार्टी की पूरी हाईकमान का उन पर विश्वास जताने के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर लुधियाना के मोजपुरा शॉल्स बाजार एसोसिएशन के सदस्यों ने उन्हें फूलों के हार पहनाकर जोरदार स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। शिव गर्ग ने कहा कि वे अपनी नई जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी, समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ निभाएंगे। इस मौके रत्न लाल गर्ग(चेयरमैन मोजपुरा एसोसिएशन), केवल कृष्ण गोयल(प्रधान मोजपुरा शाल एसोसिएशन), अरविंदर कपूर (प्रधान नया मोहल्ला एसोसिएशन), त्रिशूल होल (इंचार्ज वार्ड 73),रजनीश टंडन (सीनियर लीडर), चंद्रशेखर पूरी (चेयरमैन आप पार्टी स्वर्णकार संघ), हेमराज सिंह(वार्ड 73,जनरल सेक्रेटरी), धर्मवीर (ब्लॉक प्रधान), चेतन शर्मा, कुलविंदर सिंह, नरिंदर शर्मा आदि शामिल थे।

# हाइड्रोजन ट्रेन देगी आत्मनिर्भर भारत को नई रफ्तार : गुरदेव शर्मा देबी

लुधियाना/यूटर्न/18 जुलाई। पंजाब भाजपा के कोषाध्यक्ष गुरदेव शर्मा देबी ने कहा कि भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन देश के रेलवे इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगी। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और हरित ऊर्जा आधारित विकास के विजन को नई गति प्रदान करेगी। इस उपलब्धि के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो जाएगा जहां हाइड्रोजन तकनीक आधारित रेल सेवाएं संचालित हो रही हैं। देबी ने कहा कि हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली ट्रेन डीजल की तुलना में पर्यावरण के लिए कहीं अधिक अनुकूल है। इससे कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी आएगी और केवल जलवाष्प ही बाहर निकलेगी। इससे प्रदूषण नियंत्रण के साथ-साथ ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने इसे भविष्य की स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था की दिशा में भारत का मजबूत कदम बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार रेलवे के आधुनिकीकरण, स्वदेशी तकनीक के विकास और पर्यावरण संरक्षण को समान प्राथमिकता दे रही है। वंदे भारत ट्रेनों के बाद हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन देश की वैज्ञानिक क्षमता और इंजीनियरिंग कौशल का प्रमाण है।

# सरकारी स्कूल टीचर ने चौथी क्लास के बच्चे को डंडे से पीटा, शिकायत करने गए पेरेंट्स से की बदसलूकी, मामला दर्ज

लुधियाना/यूटर्न/18 जुलाई। ब्रह्मपुरी के सरकारी प्राइमरी स्कूल में चौथी क्लास के स्टूडेंट की एक महिला टीचर द्वारा डंडे के साथ बेरहमी से पिटाई की गई। बच्चा जब घर पहुंचा तो सारी बात अपने माता पिता को बताई। जब माता पिता स्कूल शिकायत करने गए तो वहां पर टीचर ने पेरेंट्स के साथ बदसलूकी की। उन्हें जातिसूचक शब्द बोले। यहां तक कि उच्च अधिकारियों और राजनेताओं तक पहुंच होने की धमकी भी दे डाली। जिसके बाद पेरेंट्स वहां से आ गए और पुलिस को शिकायत दी। थाना डिवीजन नंबर 4 की पुलिस ने सैदा चौक की रहने वाली प्रीति की शिकायत पर टीचर रिंकू रानी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी महिला की तलाश कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में शिकायतकर्ता प्रीति ने बताया कि उनका बेटा लव चांडला ब्रह्मपुरी स्थित सरकारी प्राइमरी स्कूल में चौथी क्लास का स्टूडेंट है। उक्त आरोपी महिला उसकी क्लास की इंचार्ज है। 22 अप्रैल को रिंकू रानी द्वारा लव को डंडे के साथ बेरहमी से पीटा गया। जिस कारण वे काफी डर गया और बीमार हो गया। जिसके बाद अगले दिन शिकायतकर्ता अपने पति गगन के साथ स्कूल पहुंची और शिकायत दी। जिस पर आरोपी महिला ने उनके साथ ही झगड़ना शुरू कर दिया। उनके साथ बदसलूकी की और जातिसूचक शब्द बोले।

# जुगल गोयल बने अग्रवाल वेलफेयर बोर्ड हल्का उत्तरी के चेयरमैन

लुधियाना/यूटर्न/18 जुलाई। लुधियाना पंजाब सरकार के आम आदमी पार्टी द्वारा जुगल कुमार गोयल को अग्रवाल वेलफेयर बोर्ड, हल्का उत्तरी का चेयरमैन नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त चेयरमैन जुगल कुमार गोयल ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए पंजाब सरकार एवं आम आदमी पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से हल्का नार्थ के विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने उनकी कार्यक्षमता, समाज सेवा के प्रति समर्पण और काबिलियत पर विश्वास जताते हुए उन्हें इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व की बात है और वह इस विश्वास पर पूरी तरह खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे। जुगल कुमार गोयल ने आम आदमी पार्टी के पार्षद अमन बग्गा तथा लीगल एडवाइजर गौरव बग्गा का भी विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा उनका मार्गदर्शन किया और समाज सेवा के लिए प्रेरित किया, जिसके कारण उन्हें यह जिम्मेदारी निभाने का अवसर मिला है।

# शिरोमणि अकाली दल को बूथ स्तर पर मजबूती देने की कवायद

## एसआर कलेर ने कसी कमर, राज्य सरकार को घेरा

चरणजीत सिंह चन्न-
जगरांव/यूटर्न/18/जुलाई। शिरोमणि अकाली दल को जमीनी स्तर पर फिर से संगठित और सशक्त बनाने के उद्देश्य से पार्टी के वरिष्ठ नेता और जगरांव के हलका इंचार्ज एस.आर. कलेर ने आज सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने जगरांव के कई गांवों में बैठकें कर बूथ-स्तरीय टीमों का गठन किया।

### 'बूथ की मजबूती ही पार्टी की जीत का आधार'

एस.आर. कलेर ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की असली ताकत उसका बूथ-स्तरीय ढांचा होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की नीतियों और विचारधारा को हर घर तक पहुंचाएं और जनता के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखें। उन्होंने कहा, हमें एकजुट होकर संगठन को इतना मजबूत बनाना है कि हम आम आदमी की समस्याओं के लिए मुखर आवाज बन सकें।

### पंजाब सरकार पर साधा निशाना

इस अवसर पर कलेर ने पंजाब सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने सरकार पर जनता से किए गए वादों से मुकर जाने का आरोप लगाया। बिजली संकट: कलेर ने कहा कि सरकार ने बिजली को लेकर बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन आज जनता अघोषित बिजली कटों से त्राहि-त्राहि कर रही है। उन्होंने जगरांव के 'झांसी रानी चौक' पर बिजली कटों के खिलाफ हुए जन-प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए इसे सरकार की विफलता बताया।

**प्रशासनिक अराजकता:** उन्होंने शहर में जगह-जगह लगे कूड़े के ढेरों, सफाई कर्मचारियों, आंगनवाड़ी वर्करों और बिजली विभाग के कर्मचारियों के धरनों का हवाला देते हुए कहा कि राज्य का हर वर्ग सरकार से दुखी है।

**असंतोष का माहौल:** उन्होंने दावा किया कि पंजाब के सरकारी विभागों में कर्मचारी अपने हकों के लिए सड़क पर उतरने को मजबूर हैं, जो सरकार की पूरी तरह से विफल कार्यक्षमता को दर्शाता है।

*प्रमुख नेताओं की उपस्थिति...बैठक के दौरान संगठन को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न विंगों की टीमों का गठन किया गया। इस अवसर पर सर्कल प्रधान शिवराज सिंह सरपंच, जोरा सिंह, मिंटू स्वद्दी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भारी संख्या में मौजूद रहे।*

# पंजाब में सफाई कर्मचारियों का आर-पार का संग्राम, 11वें दिन भी जारी रही हड़ताल, अब मंत्री के घेराव का ऐलान

-चरणजीत सिंह चन्न-
जगरांव/यूटर्न/18/जुलाई। पंजाब सरकार की कथित वादाखिलाफी से नाराज सफाई कर्मचारी यूनियन का गुस्सा सातवें आसमान पर है। जगरांव नगर परिषद में सफाई सेवकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल आज 11वें दिन में प्रवेश कर चुकी है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है।

### सरकार पर दागे तीखे सवाल

यूनियन के जिला प्रधान अरुण गिल के नेतृत्व में कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि सरकार केवल कोरे आश्वासन देकर गुमराह कर रही है। हड़ताली कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उनकी जायज मांगों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में गहरा रोष है। उन्होंने दो टूक कहा कि यदि सरकार ने अब भी रवैया नहीं बदला, तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

### 21 जुलाई को होगा मंत्री का घेराव

संघर्ष को और अधिक आक्रामक बनाने के लिए यूनियन ने आगामी 21 जुलाई को नंगल में कैबिनेट मंत्री हरजोत बैंस के आवास के घेराव का बड़ा ऐलान किया है। यूनियन ने पूरे पंजाब के सफाई कर्मियों, सीवरमैन और पंप ऑपरेटरों से भारी संख्या में नंगल पहुँचने की अपील की है ताकि सरकार को कर्मचारी एकता की असली ताकत दिखाई जा सके। धरने में प्रदीप कुमार, राजिंदर कुमार, सन्नी सुंदर, सुरजीत सिंह और राज कुमार समेत सैंकड़ों म्यूनिसिपल कर्मियों ने शिरकत की और मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। फिलहाल, हड़ताल के कारण सफाई व्यवस्था चरमरा गई है, जिससे आम जनता की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।

## 2 साल पुरानी रंजिश ने ली युवक की जान, 'प्रोटीन पाउडर' पर शुरू हुआ विवाद बना खूनी कत्लकांड

पंचकूला/यूटर्न/18 जुलाई। महज एक तंज और 'प्रोटीन पाउडर खाकर बॉडी बनाने' को लेकर दो साल पहले शुरू हुआ विवाद आखिरकार एक युवक की जान ले गया। पुरानी रंजिश ने ऐसा खूनी रूप लिया कि 20 वर्षीय कपिल की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई, जबकि उसके दो दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। सनसनीखेज वारदात के बाद पंचकूला पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने आरोपियों को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है, जहां उनसे हत्या में इस्तेमाल हथियारों और अन्य पहलुओं को लेकर पूछताछ की जाएगी। पुलिस के अनुसार घटना 16 जुलाई की रात करीब 9:30 बजे मनसा देवी थाना क्षेत्र के सकेतड़ी रोड पर हुई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो सड़क पर खून बिखरा मिला और एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुई। घायल युवकों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने कपिल को मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस कमिश्नर आईपीएस पंकज नैन के निर्देश पर थाना मनसा देवी और क्राइम यूनिट की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर चार आरोपियों— अमन, अर्जुन, विपिन कुमार और मोहित कुमार—को गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि करीब दो वर्ष पहले मृतक के एक दोस्त का आरोपियों ने प्रोटीन पाउडर खाकर बॉडी बनाने को लेकर मजाक उड़ाया था। इसी बात पर हुए झगड़े के बाद दोनों पक्षों में दुश्मनी चली आ रही थी। हाल ही में समझौते की कोशिश के दौरान फिर विवाद भड़क गया और आरोपियों ने चाकुओं से हमला कर कपिल की हत्या कर दी। पुलिस कमिश्नर पंकज नैन ने कहा कि मामले की जांच जारी है और फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून को चुनौती देने वाले किसी भी असामाजिक या आपराधिक मानसिकता वाले व्यक्ति को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

## डैहर के पास बाइक सवार युवक को घेरकर पीटा, तीन महिलाओं समेत सात नामजद

लालड़ू/यूटर्न/18 जुलाई। थाना क्षेत्र के गांव डैहर के पास मोटरसाइकिल सवार एक युवक को रास्ते में रोककर उसके साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर तीन महिलाओं सहित सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घटना के बाद से सभी नामजद आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। जांच अधिकारी एएसआई हरप्रीत सिंह ने बताया कि गांव टिवाणा निवासी जोगनाथ ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 28 जून की शाम करीब पांच बजे वह अपने दोस्त गुरप्रीत सिंह के साथ मोटरसाइकिल पर लालड़ू मंडी से गांव डैहर की ओर जा रहा था। शिकायत के अनुसार, गांव डैहर के पास पहले से मौजूद कुछ लोगों ने उनकी मोटरसाइकिल रुकवा ली। आरोपियों ने जोगनाथ को जबरन नीचे उतारकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर सभी ने मिलकर उसके साथ मारपीट की, जिससे उसे चोटें आई। पीड़ित के शोर मचाने पर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर आने लगे। लोगों को आता देख आरोपी जोगनाथ को जान से मारने की धमकी देकर वहां से फरार हो गए। बाद में मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भोली निवासी टिवाणा, सुरजीत कौर और मनदीप सिंह निवासी शेखपुरा, नंगल हरियाणा, गुरजीत कौर उर्फ बिल्ला और लखविंदर सिंह उर्फ रॉकी निवासी रुड़की खाम, खरड़, दलजीत सिंह निवासी कारकोर, डेराबस्सी तथा सुखचैन सिंह निवासी बैरमाजरा, लालड़ू को नामजद किया है।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

# मोहाली जिले में कांग्रेस सेवादल को मजबूत करने की तैयारी, भूपिंदर शर्मा को मिली कमान

## पुराने कांग्रेसी चेहरे पर पार्टी ने जताया भरोसा, भूपिंदर शर्मा बने जिलाध्यक्ष

डेराबस्सी/यूटर्न/18 जुलाई। कांग्रेस ने एसएएस नगर जिले में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से भूपिंदर शर्मा को जिला कांग्रेस सेवादल का अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी की ओर से उन्हें दी गई इस जिम्मेदारी को आगामी संगठनात्मक गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नियुक्ति के बाद डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रतिनिधि एवं पंजाब कांग्रेस के प्रवक्ता अमित बावा सैनी ने भूपिंदर शर्मा का सम्मान किया और मिठाई खिलाकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मनोज शर्मा और महासचिव परवीन मखीजा भी मौजूद रहे।

अमित बावा सैनी ने कहा कि भूपिंदर शर्मा लंबे समय से कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े हैं और उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी संगठन का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यकताओं को जिम्मेदारी मिलने से पार्टी के पुराने और समर्पित कार्यकताओं का मनोबल बढ़ता है।

कांग्रेस नेताओं ने उम्मीद जताई कि भूपिंदर शर्मा जिले में सेवादल की इकाइयों को सक्रिय करेंगे, नए कार्यकताओं को जोड़ेंगे और पार्टी की विचारधारा को गांवों तथा शहरी क्षेत्रों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। नेताओं ने यह भी कहा कि उनके नेतृत्व में सेवादल सामाजिक और संगठनात्मक गतिविधियों में अधिक प्रभावी तरीके से काम करेगा।

# 'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने पर मंथन, विधायक कुलजीत रंधावा ने की बैठक

डेराबस्सी/यूटर्न/18 जुलाई। पंजाब सरकार के 'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शनिवार को डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए इसे गांवों से लेकर शहरी वार्डों तक जन आंदोलन के रूप में मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा की गई।

बैठक में मालवा ईस्ट के अध्यक्ष अन्नू बब्बर, जिला अध्यक्ष जगजीत सिंह, हल्का कोऑर्डिनेटर सुमित राणा, ब्लॉक कोऑर्डिनेटरों सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान युवाओं को खेल, शिक्षा और अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने तथा नशों के दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जनजागरूकता फैलाने पर विशेष जोर दिया गया। विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने कहा कि पंजाब सरकार नशों के खात्मे के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ-साथ युवाओं को सही दिशा देना भी जरूरी है। उन्होंने पदाधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को अभियान से जोड़ने और सरकार के प्रयासों को मजबूत बनाने की अपील की।

बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने पंजाब को नशा मुक्त, स्वस्थ और समृद्ध बनाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने का संकल्प दोहराया।

# दुकान में अवैध तरीके से भरे जा रहे थे सिलेंडर, फूड सप्लाई विभाग की टीम ने रेड की तो किया हमला, एक गिरफ्तार

लुधियाना/यूटर्न/18 जुलाई। मोती नगर की विश्वकर्मा कॉलोनी में अवैध तरीके से कमर्शियल और घरेलू गैस सिलेंडर भरने वाली दुकान पर फूड सप्लाई विभाग द्वारा रेड की गई। इस दौरान दुकानदार ने अपने साथियों के साथ मिलकर टीम के साथ बदसलूकी करनी शुरू कर दी। जिसके बाद उनकी गाड़ी पर हमला कर दिया और सरकारी ड्यूटी में बांधा डाली। टीम ने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात पर काबू पाया। इस दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि मौके से 14 बड़े और छोटे सिलेंडर बरामद किए गए हैं। थाना मोती नगर पुलिस ने

विभाग की गाड़ी को रोकते हुए आरोपी दुकानदार

नितिल कालिया की शिकायत पर विश्वकर्मा कॉलोनी के चंदन साहनी, शेखर साहनी, कामरेड अंसारी और सात अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता के अनुसार वह खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, कॉरपोरेशन जोन-डी, सराभा नगर में सहायक है। उन्हें शिकायत मिली थी कि आरोपी चंदन साहनी द्वारा अपनी दुकान पर अवैध तरीके से इंडस्ट्रियल और घरेलू गैस सिलेंडर भरे जाते हैं। शिकायत के बाद टीम ने मौके पर रेड की। इस दौरान चंदन साहनी दुकान पर मिला। जांच के दौरान वहां घरेलू और औद्योगिक गैस सिलेंडरों के साथ प्लास्टिक पाइप और गैस ट्रांसफर करने वाला नोजल लगा हुआ मिला। अधिकारियों ने जब इस संबंध में पूछताछ की तो आरोपी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। जिसके बाद टीम ने दुकान में पड़े सिलेंडरों को गाड़ी में रखना शुरू कर दिया। जिस पर आरोपी चंदन ने बाकी आरोपियों के साथ मिलकर उनकी गाड़ी पर हमला कर दिया और सरकारी ड्यूटी में बांधा डाली।

# स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हुआ जगरांव

- जी.एच.जी अकादमी में सफल 'मेगा हेल्थ चेकअप कैंप' का आयोजन

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/18/जुलाई। जी.एच.जी अकादमी, जगरांव में एक नि:शुल्क 'बहु-विशेषज्ञ स्वास्थ्य जांच शिविर' का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय निवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना था।

**स्वास्थ्य सेवाओं की प्रमुख विशेषताएं:** इस शिविर का संचालन विख्यात फिजिशियन एवं सी.एल. कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. स्वाति खुराना और उनकी विशेषज्ञ मेडिकल टीम द्वारा किया गया। शिविर में उपस्थित लोगों के लिए स्वास्थ्य जांच की व्यापक व्यवस्था की गई थी।

**नि:शुल्क जांच:** ब्लड प्रेशर (BP), ब्लड शुगर और थायरॉयड की सटीक जांच।

विशेषज्ञ

परामर्श: विभिन्न रोगों के संबंध में अनुभवी डॉक्टरों द्वारा व्यक्तिगत परामर्श।

दवा वितरण: जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गई।

**जागरूक जीवनशैली पर दिया जोर**

स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ, डॉक्टरों की टीम ने उपस्थित लोगों को 'स्वस्थ जीवनशैली' अपनाने के गुर सिखाए। उन्होंने नियमित स्वास्थ्य जांच (Regular Health Checkup) के महत्व पर प्रकाश डाला और बीमारियों से बचाव के लिए खान-पान और दिनचर्या में सुधार करने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

**प्रिंसिपल का संदेश:** अकादमी की प्रिंसिपल रमनजोत कौर ग्रेवाल ने इस आयोजन को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। उन्होंने डॉ. स्वाति खुराना और उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ऐसे स्वास्थ्य शिविर न केवल बीमारियों की प्रारंभिक पहचान में मदद करते हैं, बल्कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक सरोकार के कार्यों के लिए प्रतिबद्ध हैं। शिविर में विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्टाफ सदस्यों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी के सहयोग से यह शिविर पूरी तरह सफल रहा, जिससे स्थानीय समुदाय ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

# धर्मकोट और गढ़शंकर बने पंजाब के पहले 100% डिजिटाइज्ड निर्वाचन क्षेत्र, सीईओ ने टीम की सराहना की

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अनिंदिता मित्रा ने धर्मकोट और गढ़शंकर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 के तहत चुनाव रिकॉर्ड और प्रक्रियाओं का 100 प्रतिशत डिजिटलीकरण अंतिम तिथि से 16 दिन पहले पूरा होने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की है। उन्होंने इसे पारदर्शी, आधुनिक और दक्ष चुनाव प्रणाली की दिशा में पंजाब की बड़ी उपलब्धि बताया। सीईओ ने कहा कि यह सफलता जिला चुनाव अधिकारियों (डीईओ), चुनाव पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के समर्पण, बेहतर समन्वय और मिशन मोड में किए गए कार्य का परिणाम है। उनके प्रयासों ने न केवल डिजिटलीकरण को समय से पहले पूरा किया, बल्कि दोनों निर्वाचन क्षेत्रों को पूरे राज्य के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित किया है। अनिंदिता मित्रा ने राज्यभर के मतदाताओं से 19 जुलाई को आयोजित विशेष मतदाता शिविरों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

Uturn Time 19 July 2026_Layout 2 18-07-2026 23:01 Page 10



# राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने चंडीगढ़ में कोकून हॉस्पिटल का शुभारंभ किया

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने शनिवार को चंडीगढ़ में आरजे कॉर्प हेल्थकेयर के कोकून हॉस्पिटल का शुभारंभ किया। हॉस्पिटल महिलाओं, गर्भवती माताओं, नवजात शिशुओं और बच्चों के लिए विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। यहां अत्याधुनिक मेडिकल टेक्नोलॉजी, अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टरों और पर्सनलाइज्ड केयर के साथ प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, नवजात शिशु की देखभाल और बच्चों के उपचार तक सभी आवश्यक सेवाएं एक स्थान पर उपलब्ध होंगी।

आरजे कॉर्प हेल्थकेयर के फाउंडर एवं चेयरमैन रवि कांत जयपुरिया ने कहा, हमारा मानना है कि हर मां और हर बच्चे को सुरक्षित, भरोसेमंद और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए। इसी सोच के साथ कोकून हॉस्पिटल की शुरूआत की गई थी और इसी उद्देश्य के साथ हम देशभर में मदर एंड चाइल्ड केयर का एक सशक्त इकोसिस्टम विकसित करना चाहते हैं। चंडीगढ़ के बाद जल्द ही लखनऊ और गुवाहाटी में भी नए कोकून हॉस्पिटल शुरू किए जाएंगे।

# कांग्रेस पहले अपने शासन का हिसाब दे, मोदी सरकार ने चंडीगढ़ को ₹4,700 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाएं दीं: रवि रावत

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी, चंडीगढ़ के मीडिया प्रभारी रवि रावत ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हरमेंद्र सिंह लक्की के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चंडीगढ़ दौरे पर दिए गए बयान को भ्रामक और तथ्यों से परे बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को भाजपा पर सवाल उठाने से पहले अपने लंबे शासनकाल का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखना चाहिए। रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ और उत्तर भारत के विकास के लिए ₹4,700 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है। उन्होंने दावा किया कि पीजीआई चंडीगढ़ के विस्तार के लिए लगभग ₹1,200 करोड़ का निवेश किया गया है, जिसके तहत एडवांस्ड न्यूरोसाइंसेज सेंटर, मदर एंड चाइल्ड सेंटर तथा क्रिटिकल केयर ब्लॉक जैसी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। साथ ही जीएमसीएच-32 में एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाकर 200 किए जाने को भी उन्होंने बड़ी उपलब्धि बताया। रवि रावत ने कहा कि डड्डूमाजरा डंपिंग ग्राउंड, जिसे कांग्रेस वर्षों तक खत्म नहीं कर सकी, अब उसके पुनर्विकास और हरित क्षेत्र में परिवर्तन का कार्य अंतिम चरण में है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल राजनीतिक आरोप लगाती है, जबकि भाजपा विकास कार्यों के आधार पर जनता का विश्वास जीत रही है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ की जनता विकास और प्रदर्शन की राजनीति को समझती है और कांग्रेस का दुष्प्रचार सफल नहीं होगा।

# मनीमाजरा और मौलीजागरां में गहराया जल संकट, 247 जलापूर्ति प्रोजेक्ट पर उठे सवाल

## रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने कह कम प्रेशर, गंदे पानी और बंद ट्यूबवेलों से लोग परेशान

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। मनीमाजरा सेक्टर-13 मौलीजागरां विकास नगर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार गहराते जल संकट को लेकर ऑल मनीमाजरा रेजिडेंट्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन ने चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम पर सवाल उठाए हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय, चेयरमैन सुभाष धीमान और समाजसेवी रॉबर्ट विलियम ने आरोप लगाया कि 247 जलापूर्ति पायलट प्रोजेक्ट लोगों की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया है।

पदाधिकारियों का कहना है कि कुछ वर्ष पहले क्षेत्र में करीब 45 ट्यूबवेलों से नियमित जलापूर्ति होती थी, जबकि अब 30 से भी कम ट्यूबवेल संचालित हैं। वहीं आबादी लगातार बढ़ने के बावजूद जलापूर्ति के संसाधनों में वृद्धि नहीं की गई। इसके चलते अधिकांश इलाकों में कम समय के लिए और बेहद कम प्रेशर के साथ पानी मिल रहा है। उन्होंने दावा किया कि कई क्षेत्रों में आज भी गंदा, मटमैला और मिट्टीयुक्त पानी सप्लाई हो रहा है, जिससे लोगों को पीने, खाना बनाने और घरेलू उपयोग में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि यदि लोगों तक स्वच्छ पानी नहीं पहुंच रहा, तो 247 जलापूर्ति परियोजना के उद्देश्य पर सवाल खड़े होते हैं।

समाजसेवी रॉबर्ट विलियम ने बताया कि मौलीजागरां के करीब आठ ट्यूबवेलों में से तीन लंबे समय से बंद हैं या पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे। विकास नगर के निवासी भी ट्यूबवेलों पर निर्भर हैं, लेकिन कम प्रेशर के कारण लोगों को पानी की मोटर चलानी पड़ती है, जिससे बिजली का खर्च बढ़ रहा है। एसोसिएशन ने मांग की है कि बंद पड़े सभी ट्यूबवेलों को तुरंत चालू किया जाए, जरूरत के अनुसार नए ट्यूबवेल लगाए जाएं, नहरी पानी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और 247 जलापूर्ति पायलट प्रोजेक्ट की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाए। साथ ही पूरे क्षेत्र में नियमित जल गुणवत्ता परीक्षण कर उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करने की भी मांग की गई है। एसोसिएशन का कहना है कि नागरिकों से पानी, सीवरेज और गार्बेज कलेक्शन के बिल नियमित रूप से वसूले जा रहे हैं, लेकिन बदले में पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं कराया जा रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो जल संकट और गंभीर हो सकता है।

# सेक्टर-10 की कोठी में 18 वर्षीय घरेलू सहायिका की संदिग्ध मौत, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। चंडीगढ़ के पॉश सेक्टर-10 स्थित एक कोठी में 18 वर्षीय घरेलू सहायिका की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सेक्टर-3 थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान तप्ती के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले की रहने वाली थी। परिजनों के अनुसार, वह करीब एक सप्ताह पहले ही 20 हजार रुपये मासिक वेतन पर सेक्टर-10 की एक कोठी में घरेलू काम के लिए नियुक्त हुई थी और वहीं रह रही थी। परिवार का आरोप है कि घटना से एक रात पहले तप्ती ने अपनी बहन को फोन कर बताया था कि उसे वहां परेशानी हो रही है और उसका मन नहीं लग रहा। इसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। शनिवार सुबह परिवार को सूचना मिली कि उसने कथित रूप से आत्महत्या कर ली है।

# भारत के मुख्य न्यायाधीश ने पंजाब, हरियाणा एवं यू.टी. चंडीगढ़ में वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने शनिवार को पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पंजाब, हरियाणा तथा केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा, उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अभियान का शुभारंभ पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय परिसर में पौधारोपण के साथ किया गया। मानसून अवधि के दौरान चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत पंजाब, हरियाणा एवं यू.टी. चंडीगढ़ के न्यायालय परिसरों, विधिक सेवा संस्थानों, न्यायिक आवासीय परिसरों तथा अन्य उपयुक्त सार्वजनिक स्थलों पर लाखों पौधे लगाए जाएंगे। यह अभियान पंजाब, हरियाणा एवं यू.टी. चंडीगढ़ के वन विभागों के सहयोग से चलाया जा रहा है, जिसमें स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल देशी, फलदार, औषधीय एवं छायादार प्रजातियों के पौधों के रोपण पर विशेष बल दिया गया है। सभा को संबोधित करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल संवैधानिक दायित्व ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की साझा नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर तथा उनका संरक्षण कर देश के हरित आवरण को बढ़ाने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

# सावित्री ग्रीन्स में हरियाली बढ़ाने की पहल, एक दिन में लगाए 130 पौधे

## पौधे लगाने के साथ संरक्षण का भी लिया संकल्प, निवासियों ने मिलकर चलाया वृक्षारोपण अभियान

जीरकपुर/यूटर्न/18 जुलाई। शहर की सावित्री ग्रीन्स सोसायटी में हरित क्षेत्र बढ़ाने और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नेबरहुड डेवलपमेंट एसोसिएशन ने वृक्षारोपण अभियान चलाया। सावित्री ग्रीन्स टावर-3 डेवलपमेंट कमेटी के सहयोग से आयोजित अभियान में सोसायटी निवासियों और स्थानीय लोगों ने करीब 130 पौधे लगाए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नगर परिषद जीरकपुर के पूर्व पार्षद यादविंदर शर्मा ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका नियमित संरक्षण और देखभाल भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और घटते हरित क्षेत्र के बीच ऐसे सामूहिक प्रयास समय की आवश्यकता हैं। प्रत्येक नागरिक को अपने आसपास खाली स्थानों पर पौधे लगाने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। नेबरहुड डेवलपमेंट एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक जसज्योत सिंह अलमस्त ने कहा कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य के लिए निवेश है। उन्होंने निवासियों से लगाए गए पौधों को गोद लेकर उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। अभियान में धर्मवीर अरोड़ा, सुनील राणा, अरुण बेताब, राजेंद्र निमेश, राजीव मलिक, राजन वर्मा, विजेश सिन्हा, पंकज शर्मा, दुर्गेश पॉल, अश्विनी प्रभाकर और अरिहंत गोयल सहित टावर-3 डेवलपमेंट कमेटी के सदस्यों ने सहयोग दिया। आयोजकों ने कहा कि पौधों की देखभाल के लिए निवासियों की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी, ताकि अभियान का उद्देश्य केवल पौधारोपण तक सीमित न रहे।

# 135वें दिन भी जारी कर्मचारियों का संघर्ष, किसान-मजदूर संगठनों ने सरकार को दी आंदोलन तेज करने की चेतावनी

## श्री सुखमणी इंटरनेशनल स्कूल प्रबंधन पर श्रम कानूनों की अनदेखी का आरोप, संगठनों में रोष

लालड़ू/यूटर्न/18 जुलाई। श्री सुखमणी इंटरनेशनल स्कूल, डेराबस्सी से निकाले गए कर्मचारियों के समर्थन में चल रहा आंदोलन शनिवार को 135वें दिन में प्रवेश कर गया। इस दौरान दप्पर स्थित भारतीय किसान यूनियन (लाखोवाल) कार्यालय में किसान संगठनों और ट्रेड यूनियनों की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्कूल प्रबंधन पर श्रम कानूनों की अनदेखी करने तथा पंजाब सरकार पर मामले में चुप्पी साधे रखने के आरोप लगाए गए। संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

बैठक में नेताओं ने बताया कि सहायक श्रम आयुक्त (मोहाली) की ओर से 3 जुलाई और 16 जुलाई को सुनवाई के लिए नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन स्कूल प्रबंधन दोनों तारीखों पर उपस्थित नहीं हुआ। नेताओं ने इसे सरकारी आदेशों की अवहेलना बताते हुए कहा कि लगातार गैरहाजिर रहने के बावजूद कोई सख्त कार्रवाई नहीं होना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि चार महीने से अधिक समय से धरने पर बैठे कर्मचारियों और उनके परिवारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

बैठक में मौजूद भारतीय किसान यूनियन (लाखोवाल) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनप्रीत सिंह अमलाला, जिला प्रधान रणजीत सिंह राणा, एटक के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद चुघ, कर्मचारी नेता गुरबिंदर सिंह सहित अन्य नेताओं ने पंजाब सरकार से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर कर्मचारियों को न्याय दिलाने की मांग की। संगठनों ने स्पष्ट किया कि यदि प्रशासन और स्कूल प्रबंधन ने जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो आने वाले दिनों में बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन और सरकार की होगी।

# ब्लैक हाई-स्लिट ड्रेस में प्रज्ञा जायसवाल का ग्लैमरस फिटनेस अवतार

अभिनेत्री प्रज्ञा जायसवाल ने ब्लैक हाई-स्लिट ड्रेस में अपने स्टाइलिश और फिट अंदाज से सभी का ध्यान खींचा। डीप नेक और शिमरी लेस डिजाइन वाली ड्रेस ने उनके लुक को ग्लैमरस टच दिया। न्यूड हाई हील्स और खुले वेवी बालों के साथ अभिनेत्री बेहद कॉन्फिडेंट नजर आईं। उनकी टोन्ड फिजीक और एलिगेंट पोज सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। प्रज्ञा अपनी फिटनेस बनाए रखने के लिए नियमित वर्कआउट और संतुलित डाइट पर ध्यान देती हैं। फैंस उनके फैशन सेंस, खूबसूरती और फिटनेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

# जगरांव कोर्ट की विशेष लोक अदालत, बैंक मामलों के निपटारे पर रहा जोर, 36 लाख से अधिक की सेटलमेंट

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/18/जुलाई। जगरांव की अदालतों में आज एक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें न्यायिक अधिकारियों गुलफाम, आज्ञापाल कौर और साक्षी चौधरी (सिविल जज जूनियर डिवीजन) की अदालतों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस विशेष सत्र का मुख्य केंद्र बिंदु बैंकों से संबंधित धारा 138 (चेक बाउंस) के मामले रहे।

**लोक अदालत के प्रमुख आंकड़े:** अदालती कार्यवाही के दौरान, बैंकों से जुड़े विभिन्न विवादों के समाधान के लिए कुल 212 मामले सुनवाई के लिए रखे गए थे। लोक अदालत की सार्थकता सिद्ध करते हुए, उभय पक्षों की आपसी सहमति से 5 महत्वपूर्ण मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। इस समाधान प्रक्रिया के जरिए कुल 36,39,765 रुपये की सेटलमेंट राशि तय की गई, जिससे वर्षों से लंबित पड़े विवादों का सौहार्दपूर्ण अंत हुआ। लोक अदालत का उद्देश्य न केवल अदालतों पर बढ़ते मुकदमों के बोझ को कम करना है, बल्कि आम नागरिकों को लंबी कानूनी प्रक्रियाओं से राहत दिलाकर समय और धन की बचत करना भी है। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की पहल से विवादों का समाधान शांतिपूर्वक और स्थायी रूप से होता है, जिससे समाज में सकारात्मक संदेश जाता है।

Uturn Time 19 July 2026_Layout 2 18-07-2026 23:02 Page 12



# भारत के मुख्य न्यायाधीश ने जिला न्यायालय परिसर, सेक्टर-43 में बहुस्तरीय पार्किंग सुविधा का उद्घाटन किया

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आज जिला न्यायालय परिसर, सेक्टर-43, चंडीगढ़ में नव-निर्मित बहुस्तरीय पार्किंग सुविधा का उद्घाटन किया। लगभग ₹65.64 करोड़ की लागत से चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा विकसित यह परियोजना जिला न्यायालय परिसर में लंबे समय से चली आ रही पार्किंग की समस्या के समाधान के उद्देश्य से तैयार की गई है। 4.5 एकड़ क्षेत्र में फैली इस सुविधा के प्रथम चरण में 1,174 कारों की पार्किंग क्षमता है। यह सुविधा अधिवक्ताओं, वादकारियों, न्यायाधीशों, न्यायालय कर्मचारियों, पुलिस कर्मियों तथा आम जनता को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुविधाजनक पार्किंग उपलब्ध कराएगी। उद्घाटन समारोह में पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया; भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए. जी. मसीह; न्यायमूर्ति शील नागू; पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा; पंजाब एवं हरियाणा उच्च

न्यायालय के न्यायाधीश तथा माननीय भवन समिति, यू.टी. चंडीगढ़ के अध्यक्ष न्यायमूर्ति दीपक सिब्बल; पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे. एस. पुरी; आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति लिसा गिल; पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के वर्तमान एवं सेवानिवृत्त न्यायाधीश; यू.टी. चंडीगढ़ के सांसद; चंडीगढ़ की महापौर; वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी; चंडीगढ़ प्रशासन के अधिकारी जिनमें गृह सचिव, वित्त सचिव एवं स्थायी अधिवक्ता, यू.टी. चंडीगढ़; भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल; बार के सदस्य; पुलिस अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

# हरजीत सिंह ग्रेवाल की नियुक्ति पंजाब भाजपा के लिए गर्व का विषय: गौरव अरोड़ा

लुधियाना/यूटर्न/18 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी पंजाब के वरिष्ठ नेता सरदार हरजीत सिंह ग्रेवाल को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर भाजपा नेता गौरव अरोड़ा ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

अरोड़ा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का आभार जताते हुए कहा कि यह नियुक्ति पंजाब भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए गर्व और सम्मान की बात है।

उन्होंने विश्वास जताया कि ग्रेवाल के नेतृत्व में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अल्पसंख्यक समुदायों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा, सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण और कल्याण के लिए निष्पक्ष एवं प्रभावी ढंग से कार्य करेगा। अरोड़ा ने कहा कि ग्रेवाल के लंबे संगठनात्मक अनुभव और जनसेवा के प्रति समर्पण का लाभ देशभर के अल्पसंख्यक समुदायों को मिलेगा। विशेष रूप से पंजाब से जुड़े अल्पसंख्यक और मानवाधिकार मामलों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाने में उनकी नियुक्ति महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि ग्रेवाल के अनुभव और दूरदर्शी नेतृत्व से आयोग की कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी, जनहितकारी और प्रभावी बनेगी तथा देश में सामाजिक सद्भाव एवं समावेशी विकास को मजबूती मिलेगी।

# 'मैं पुराने ख्याल का इंसान हूं, शिष्टाचार और विकास की राजनीति में भरोसा रखता हूं' : पीएम मोदी से मुलाकात पर बोले सांसद मनीष तिवारी

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पेक) में हुई मुलाकात को लेकर उठी राजनीतिक चर्चाओं के बीच कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह ह्नपुराने ख्यालह्व के व्यक्ति हैं, जो शिष्टाचार, प्रोटोकॉल और विकास को पार्टी की राजनीति से ऊपर मानते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते विकास से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होना उनकी जिम्मेदारी है, चाहे राजनीतिक मतभेद क्यों न हों।

तिवारी ने लिखा कि वर्ष 2022 में न्यू चंडीगढ़ स्थित डॉ. होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के उद्घाटन के दौरान भी वह सांसद के रूप में उपस्थित थे। उसी तरह 17 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री द्वारा चंडीगढ़ और उनके पूर्व संसदीय क्षेत्र श्री आनंदपुर साहिब में विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर भी उन्होंने भाग लिया, क्योंकि इन परियोजनाओं का लाभ आम लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 45 वर्षों की राजनीति में उन्होंने सार्वजनिक जीवन को पहले की तुलना में अधिक कटु और विषाक्त होते देखा है, जहां राजनीतिक विरोधियों को दुश्मन की तरह देखा जाने लगा है। इसके बावजूद वह लोकतांत्रिक मर्यादाओं, शिष्टाचार और विकास की राजनीति में विश्वास रखते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी यही सोच आगे भी बनी रहेगी, चाहे लोग इसके बारे में कुछ भी सोचें।

# गोल्डी बराड़ से जुड़े हत्या की साजिश मामले में आरोपी को राहत नहीं, हाईकोर्ट ने जमानत याचिका खारिज की

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के कथित नेटवर्क से जुड़े अदालत परिसर में हत्या की साजिश रचने के आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि न्यायालय परिसर के भीतर हत्या की योजना बनाना केवल किसी व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था और कानून के शासन पर सीधा हमला है। हाईकोर्ट ने कहा कि इस तरह की साजिशें समाज में

भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करती हैं तथा न्यायिक संस्थाओं में लोगों के विश्वास को कमजोर करती हैं। इसलिए ऐसे मामलों में नरमी बरतना उचित नहीं होगा। सुनवाई के दौरान आरोपी की ओर से दलील दी गई कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है, आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है और वह लंबे समय से न्यायिक हिरासत में है, इसलिए उसे जमानत दी जाए। वहीं राज्य सरकार ने इसका विरोध करते हुए कहा कि आरोपी संगठित आपराधिक और आतंकी साजिश का हिस्सा है तथा जांच में गोल्डी बराड़ से जुड़े नेटवर्क के अहम साक्ष्य मिले हैं। अभियोजन ने यह भी आशंका जताई कि रिहा होने पर आरोपी गवाहों को प्रभावित कर सकता है।

# वेंडिंग जोन आवंटन पर चंडीगढ़ नगर निगम के बाहर हंगामा, रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं ने ड्रॉ प्रक्रिया पर उठाए सवाल

चंडीगढ़/यूटर्न/18 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत शनिवार को चंडीगढ़ नगर निगम द्वारा वेंडिंग जोन के आवंटन के लिए आयोजित ड्रॉ प्रक्रिया का रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं ने विरोध किया। निगम कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में वेंडर्स एकत्र हुए और आवंटन प्रक्रिया को लेकर प्रदर्शन करते हुए पारदर्शिता पर सवाल उठाए। प्रदर्शनकारी वेंडर्स का कहना था कि वर्षों से जिन स्थानों पर वे अपना कारोबार कर रहे हैं, वहां से हटाकर उन्हें शहर के दूसरे सेक्टरों के वेंडिंग जोन आवंटित किए जा रहे हैं। उनका आरोप है कि दूरस्थ स्थान मिलने से उनकी रोजी-रोटी प्रभावित होगी, क्योंकि पुराने ग्राहकों से संपर्क टूट जाएगा और आय में भारी गिरावट आएगी।

वेंडर्स ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मांग की कि स्थान आवंटन में उनके वर्तमान कार्यस्थल और आजीविका को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने ड्रॉ प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए इसकी दोबारा समीक्षा कराने की भी मांग की। नगर निगम अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि प्राप्त आपत्तियों और शिकायतों पर नियमों के अनुसार विचार किया जाएगा। नगर निगम की यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में की जा रही है। इसके तहत उन रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं को नियमित वेंडिंग जोन में स्थानांतरित किया जा रहा है, जिन्हें पहले 'आवश्यक सेवा प्रदाता' के रूप में अस्थायी रूप से कारोबार करने की अनुमति दी गई थी।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma

तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।

Contact - +91 9814295372